लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम उजाला
दिनांक 1.3.2020 पृष्ठ सं 4 कॉलम 1-2

प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियों में विकसित होती है दक्षता : प्रो. केपी सिंह

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) और सोसायटी फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड रिर्सोसेज मैनेजमेंट के सहयोग से मानव संसाधन निदेशालय में 'सतत कृषि के नए आयाम' विषय पर भाषण प्रतियोगिता करवाई गई। कार्यक्रम के विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह मुख्यातिथि के तौर पर पहुंचे। इस अवसर पर सोसायटी फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड रिर्सोसेज मैनेजमेंट की तरफ से डॉ. डी पी सिंह व डॉ. आर के बहल उपस्थित थे। इस मौके पर प्रो. केपी सिंह ने कहा कि प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियों में रचनात्मक, मौखिक, लिखित, दक्षता विकसित होती है, जिसकी आज के डिजिटल व तकनीकी युग में नितांत आवश्यकता हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को उत्तम किस्म के तकनीकी और वैज्ञानिक प्रस्तुति, प्रकाशन, अनुसंधान प्रस्तुति, आर्टिकल्स, रिव्यू पेपर, सेमिनार व सम्मेलन प्रस्तुति आदि के माध्यम से सुधार करने की आवश्यकता पर बल दिया। रिर्सोसेज मैनेजमेंट के सचिव डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि भाषण में सिंधु, ईशा व सुमित कुमार क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। मीनाक्षी व साक्षी को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। पेनलिस्ट की भूमिका में डॉ. समुंद्र सिंह, डॉ. मनोज शर्मा, डॉ. डीपी मलिक, डॉ. राजेश व डॉ. करतार सिंह थे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण
दिनांक 1.3.2020 पृष्ठ सं 23 कॉलम 2-4

भाषण प्रतियोगिता में सिन्धु रही प्रथम

जागरण संवाददाता, हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार व सोसाइटी फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड रिसोर्स मैनेजमेंट के सहयोग से मानव संसाधन निदेशालय में सतत कृषि के नए आयाम विषय पर शनिवार को भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह रहे। इस अवसर पर इंडियन सोसाइटी फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड रिसोर्स मैनेजमेंट की तरफ से डॉ. डीपी सिंह व डॉ. आरके बहल उपस्थित रहे। इस दौरान कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियों में रचनात्मक, वैचारिक, मौखिक, लिखित, श्रव्य दक्षता व शब्द रचनात्मकता विकसित होती है, जिसकी आज के डिजिटल व तकनीकी युग में नितांत आवश्यकता है।

इनको मिला पुरस्कार

सोसाइटी फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड रिसोर्स मैनेजमेंट के सचिव डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि आयोजित भाषण प्रतियोगिता में मिस सिन्धु प्रथम स्थान पर, मिस ईशा द्वितीय स्थान पर व सुमित कुमार तृतीय स्थान पर रहे। मीनाक्षी व साक्षी को सांत्वना पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया।

निर्णायक की भूमिका में डॉ. आरके श्योराण, डॉ. पुष्पा खरब, डॉ. केएस बांगरवा थे। पैनलिस्ट की भूमिका में डॉ. समुन्द्र सिंह, डॉ. मनोज शर्मा, डॉ. डीपी मलिक, डॉ. राजेश व डॉ. करतार सिंह थें। इस अवसर पर डॉ. आशा क्वात्रा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव, सभी अधिष्ठाता व निदेशक, विभागाध्यक्ष, विद्यार्थी व सोसाइटी के डॉ. एएल खुराना व डॉ. एसएस डुडेजा भी उपस्थित रहे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर
दिनांक 1.3.2020 पृष्ठ सं 5 कॉलम 6

भाषण स्पर्धा में सिंधू ने बाजी मारी

हिसार| एचएयू व सोसाइटी फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड रिसोंस मैनेजमेंट के सहयोग से मानव संसाधन निदेशालय में 'सतत् कृषि के नये आयाम' विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र एवं छात्राओं ने बढ़ चढ़कर भागीदारी की। मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने संबोधित किया। डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि भाषण प्रतियोगिता में सिन्धु, ईशा व सुमित कुमार ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। मीनाक्षी व साक्षी को सांत्वना पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। निर्णायक की भूमिका में डॉ. आरके श्योराण, डॉ. पुष्पा खरब, डॉ. केएस बांगरवा रहे। पैनलिस्ट की भूमिका में डॉ. समुन्द्र सिंह, डॉ. मनोज शर्मा, डॉ. डीपी मलिक, डॉ. राजेश व डॉ. करतार सिंह रहे। इस अवसर पर डॉ. आशा क्वात्रा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। इस अवसर पर सोसाइटी के डॉ. एएल खुराना व डॉ. एसएस डुडेजा डॉ. डीपी सिंह, डॉ. आरके बहल मौजूद रहे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर

दिनांक 1.3.2020 पृष्ठ सं 11 कॉलम 8

हकृवि में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

हिसार। हकृवि व सोसाइटी फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड रिसोंस मैनेजमैंट के सहयोग से मानव संसाधन निदेशालय में कृषि के नये आयाम विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह थे। इस अवसर पर इंडियन सोसाइटी फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड रिसोंस मैनेजमैंट की तरफ से डॉ. डीपी सिंह व डॉ. आरके बहल उपस्थित थे। प्रो. सिंह ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियों में रचनात्मक, वैचारिक, मौखिक, लिखित, श्रव्य दक्षता विकसित होती है, जिसकी आज के डिजिटल व तकनीकी युग में नितांत आवश्यकता है।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक भूमि
दिनांक 1.3.2020 पृष्ठ सं. 11 कॉलम 1-5

हकृवि के एबिक सेंटर में कृषि क्षेत्र में स्टार्टअप के लिए प्रशिक्षण

कृषि क्षेत्र को चुन रोजगार देने वाले बनें : झोरड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हकृवि में कृषि क्षेत्र में स्टार्ट अप के लिए तकनीकी सहयोग, प्रशिक्षण व वित्तीय सहायता के लिए स्थापित एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर में 3 मार्च तक विशेष प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा पोषित आईडीपी परियोजना के तहत किया जा रहा है।

- कहा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस 90 प्रतिशत समस्या का समाधान करती है इसलिए हर वर्ग को इसे अपनाना चाहिए

इस प्रशिक्षण का आयोजन एनएएचईपी-आईडीपी परियोजना के पीआई व निदेशक अनुसंधान, डॉ. एसके सहरावत की देखरेख में करवाया जा रहा है। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अधिष्ठाता, कृषि इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के डॉ आरके झोरड़ थे। डॉ. झोरड़ ने कहा कि कृषि क्षेत्र में व्यापार की आपार संभावनाएं है तो आप नौकरी के पीछे भागने की बजाए कृषि व्यवसाय को चुनें। इससे आप अपना रोजगार स्थापित करने के साथ-साथ दूसरों को रोजगार भी दे पाएंगें। उन्होनें कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस 90 प्रतिशत समस्या का समाधान करती है इसलिए हर वर्ग को इसे अपनाना चाहिए। अगर 10 प्रतिशत कोई समस्या रह भी जाती है तो समय के साथ उसमें बदलाव किया जा सकता है। डॉ. सीमा रानी नोडल अधिकारी एबिक ने बताया कि इस प्रशिक्षण के माध्यम से छात्रों को प्रशिक्षित किया जायेगा कि कैसे वह अपने आईडिया को एक बिजनेस के रूप में बाजार में स्थापित कर सकते है। उन्होने कहा कि एबिक सेंटर की मदद से छात्र नेटवर्किंग, तकनीकी, कांऊसलिंग, लाइसेंसिंग, फंडिग व लोन की सहायता से अपने उत्पाद को बाजार में ब्रांड के रूप में उतार सकते है। प्रशिक्षक सुनील कुमार ने छात्रों को कृषि क्षेत्र में उद्योग स्थापित करने के लिए प्रेरित किया और सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न प्ररियोजनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होनें कहा कि व्यापार को स्थापित करने के लिए पैसे की सबसे ज्यादा जरूरत पड़ती है और सरकार कई परियोजनाओं के द्वारा जैसे नाबार्ड, आरकेवीवाई, सिडबी, स्टार्ट अप इंडिया, एमएसएसई द्वारा बिना मोरगेज के वित्तीय सहायता ग्रांट के रूप में प्रदान कर रही हैं जो उद्योग को स्थापित करने के लिए महत्वपूर्ण कदम हैं। कृषि विकास अधिकारी डॉ. अखिल सांगवान ने छात्रों को कृषि क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से अवगत करवाया। उन्होनें बताया कि दुनियाभर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर क्या-क्या प्रयोग चल रहे है और क्या-क्या चुनौतियां आ रही है तथा इसको अपनाने से कृषि क्षेत्र में हर वर्ग को कितना फायदा होगा।

इस अवसर पर डॉ. राजेश गेरा, डॉ. सोमवीर और एबिक टीम उपस्थित रहें।

हिसार। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित मुख्य अतिथि व अन्य।

लोक संपर्क कार्यालय

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर

दिनांक 1.3.2020 पृष्ठ सं. 5 कॉलम 1-2

कृषि व्यवसाय चुनें, दूसरों को भी खुद दे पाएंगे रोजगारः डॉ. झोरड़

भास्कर न्यूज| हिसार

एचएयू में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा पोषित आईडीपी (एनएएचईपी-आईडीपी) परियोजना के तहत कृषि स्नातक कैसे कृषि क्षेत्र में नया व्यवसाय व रोजगार स्थापित करें इसके लिए विशेष प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिसमें कृषि के क्षेत्र में होने वाले रोजगार के अवसर के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। प्रशिक्षण का आयोजन एनएएचईपी-आईडीपी परियोजना के पीआई व निदेशक अनुसंधान, डॉ. एसके सहरावत की देखरेख में करवाया जा रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अधिष्ठाता, कृषि इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के डॉ आरके झोरड़ ने कहा कि कृषि क्षेत्र में व्यापार की आपार संभावनाएं है तो आप नौकरी के पीछे भागने की बजाए कृषि व्यवसाय को चुनें। इससे अपना रोजगार स्थापित करने के साथ-साथ दूसरों को रोजगार भी दे पायेगें। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इन्टेलिजेन्स 90 प्रतिशत समस्या का समाधान करती है इसलिए हर वर्ग को इसे अपनाना चाहिए।

एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा ने बताया कि इस प्रशिक्षण के माध्यम से छात्रों को प्रशिक्षित किया जायेगा कि कैसे वह अपने आईडिया को एक बिजनेस के रूप में बाजार में स्थापित कर सकते है। उन्होंने कहा कि एबिक सेंटर की मदद से छात्र नेटवर्किंग, तकनीकी, कांऊसलिंग, लाइसेसिंग, फंडिग व लोन की सहायता से अपने उत्पाद को बाजार में ब्रांड के रूप में उतार सकते है।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण
दिनांक 1.3.2020 पृष्ठ सं 21 कॉलम 4

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस 90 फीसद समस्याओं का कर सकती है समाधान

जागरण संवाददाता, हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि और कृषि से जुड़ी गतिविधियों में किसानों, युवा छात्रों और उद्यमियों के एग्री स्टार्ट अप के लिए प्रशिक्षण की शुरुआत हुई। 3 मार्च तक चलने वाले इस प्रशिक्षण में एचएयू का एबिक सेंटर तकनीकी सहयोग, प्रशिक्षण व वित्तीय सहायता की समूची जानकारी मुहैया कराएगा। प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर डा. एसके सहरावत के नेतृत्व में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कृषि इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के डीन डा. आरके झोरड़ रहे। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में व्यापार की आपार संभावनाएं हैं तो आप नौकरी के पीछे भागने की बजाय कृषि व्यवसाय को चुनें। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस 90 प्रतिशत समस्याओं का समाधान करती है इसलिए हर वर्ग को इसे अपनाना चाहिए। अगर 10 प्रतिशत कोई समस्या रह भी जाती है तो समय के साथ उसमें बदलाव किया जा सकता है।

लोक संपर्क कार्यालय

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........दैनिक भास्कर........

दिनांक...1. 3. 2020...... पृष्ठ सं......2...... कॉलम......5......

नियमित योग करने से शरीर रहता है स्वस्थ्यः डॉ. इंद्रजीत

हिसार | एचएयू के राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित सात दिवसीय वार्षिक शिविर के दूसरे दिन स्वयंसेवकों को योग क्रियाएं कराई गईं। इसके अलावा स्वयंसेवकों ने राजकीय प्राथमिक पाठशाला में श्रमदान किया। शिविर में विश्वविद्यालय के डा. इंद्रजीत सिंह मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने एनएसएस की गुणवत्ता के बारे में बताया। साथ ही जीवन में अच्छी आदतों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। कहा कि स्वस्थ्य रहने के लिए योग करना जरूरी है। प्रतिदिन योग करना चाहिए।

इसके पश्चात स्वयंसेवकों ने गाँव शाहपुर में रैली का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि डा. इंद्रजीत ने किया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण
दिनांक 1.3.2020 पृष्ठ सं 23 कॉलम 6-7

एनएसएस शिविर की योग से शुरुआत, फिर किया श्रमदान

जागरण संवाददाता, हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित सात दिवसीय वार्षिक शिविर के दूसरे दिन की शुरुआत जिला प्रभारी हिसार ने योग से करवाई। इसके बाद स्वयंसेवकों ने राजकीय प्राथमिक पाठशाला में श्रमदान किया। स्वयंसेवकों के उत्साह के लिए कार्यक्रम रखवाया गया जिसमें विश्वविद्यालय के डा. इन्द्रजीत प्रूथी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इसके पश्चात स्वयंसेवकों ने गांव शाहपुर में रैली निकाली जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि ने किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डा. भगत सिंह ने स्वयंसेवकों को लक्ष्य प्राप्ति की सीख दी। इस दौरान कृषि महाविद्यालय की एनएसएस अधिकारी डा. प्रियंका व गृह विज्ञान महाविद्यालय की डा. पारूल भी उपस्थित रहीं।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम ......हरि भूमि......
दिनांक ...1. 3. 2020...... पृष्ठ सं. ...12...... कॉलम ...7-8...

हकृवि स्वयंसेवकों ने किया श्रमदान

हिसार। हकृवि के राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित सात दिवसीय वार्षिक शिविर के द्वितीय दिवस की शुरूआत जिला प्रभारी हिसार ने योगा से करवाई। इसके बाद स्वयंसेवकों ने राजकीय प्राथमिक पाठशाला में श्रम दान किया। स्वयंसेवकों के उत्साह में वृद्धि हेतू एक कार्यक्रम रखवाया गया जिसमें विश्वविद्यालय के डॉ. इंद्रजीत परुथी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहें। उन्होनें एनएसएस के आर्दश वाक्य के बारे में उपदेश देते हुए एनएसएस की गुणवत्ता के बारे में बताया व साथ ही उन्होनें जीवन में अच्छी आदतों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। इसके पश्चात स्वयंसेवकों ने गांव शाहपुर में रैली का आयोजन किया गया जिसका शुभारंभ आज के मुख्य अतिथि जी द्वारा किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. भगत सिंह ने मुख्य अतिथि का धन्यवार करते हुए स्वयंसेवकों को लक्ष्य प्राप्ति की सीख दी। सम्पूर्ण कार्यक्रम में कृषि महाविद्यालय की एनएसएस अधिकारी डॉ. प्रियंका व गृह विज्ञान महाविद्यालय की डॉ. पारूल भी उपस्थित रहीं।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम....अमर उजाला....
दिनांक...1.3.2020.... पृष्ठ सं....1.... कॉलम....2-7....

शहर के तीनों विवि का बजट 224 करोड़ बढ़ा
विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा, शोध पर होगा फोकस

प्रदेश बजट : एचएयू का बजट 148 करोड़, लुवास का 66 करोड़ और गुजवि का 10 करोड़ रुपये बढ़ा

संदीप बिश्नोई

हिसार। कृषि, पशुपालन और तकनीकी से संबंध शहर के तीनों का विश्वविद्यालयों के बजट में सरकार ने अप्रत्याशित बढ़ोतरी की है। तीनों विश्वविद्यालयों में इंफ्रास्ट्रक्चर को विश्वस्तरीय बनाने और रिसर्च पर और अधिक फोकस करने के लिए इस बजट का प्रयोग होगा।

प्रदेश के विवि में सबसे अधिक बजट लेने वाले चौधरी चरण सिंह हरियाणा विवि के बजट में इस बार 148 करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी करते हुए 651 करोड़ रुपये का प्रावधान रखा गया है। पिछले वर्ष करीब 503 करोड़ रुपये का प्रावधान था, लेकिन संशोधन के साथ मार्च तक का बजट अनुमान 537 करोड़ तक पहुंच गया। विश्वविद्यालय में कई नए विश्वस्तरीय प्रोजेक्ट के शुरू होने के कारण इनके बजट में अप्रत्याशित बढ़ोतरी की गई है।

ये हैं एचएयू के बड़े प्रोजेक्ट

- कृषि विवि और किसानों का लगभग सभी विभागों से कोई न कोई संबंध है। इसके लिए पंचकूला में एक यूनिवर्सिटी का कोऑर्डिनेशन डिपार्टमेंट बनेगा।
- फिशरीज कॉलेज, इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल बिजनेस ऐंड एंटरप्रन्योरशिप और कॉलेज ऑफ बायो टेक्नोलॉजी शुरू किए जाएंगे।
- कृषि को टूरिज्म से जोड़ने और प्राचीन भारतीय कृषि एवं संस्कृति से लोगों को अवगत करवाने के लिए विवि में इसी वर्ष भव्य म्यूजियम का काम पूरा होगा।
- रैपिड ब्रीडिंग प्रोग्राम के तहत रिसर्च प्रोजेक्ट तेजी से पूरे होंगे। इसके लिए लैब तैयार की गई है। इससे जो रिसर्च छह वर्ष में पूरी होती थी, वह दो वर्षों में ही पूरी हो जाएगी।
- इनोवेशन सेंटर, एबिक सेंटर आदि की स्थापना की गई।

"हम किसानों की आय बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। किसानों को कोई भी समस्या हो, वो विवि में आएं। हम पूरे राज्य की कृषि समस्याओं को केंद्र में रखकर रिसर्च पर काम करेंगे। दूसरा यूथ को एग्रीकल्चर एंटरप्रन्योर बनाने का काम किया जाएगा। रिसर्च और इंफ्रास्ट्रक्चर की जरूरतों को पूरा करने के लिए बेहतर बजट दिया गया। इसके लिए सरकार का धन्यवाद।" **- प्रो. केपी सिंह, कुलपति, एचएयू**

पिछले वर्ष 85 करोड़ तक पहुंच गया था संशोधित बजट

गुजवि को पिछले वर्ष में मिले कुल संशोधित बजट से 10 करोड़ रुपये अधिक का प्रावधान इस बजट में किया गया है। विवि को 95 करोड़ का बजट मिला है, जबकि पिछली बार बजट अनुमान 50 करोड़ रुपये था, लेकिन बाद में विवि के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर 25 करोड़ का बजट और दिया गया। वहीं, 10 लाख रुपये शिक्षकों के एरियर आदि के लिए मिले। ऐसे में पिछले वर्ष संशोधित बजट 85 करोड़ रुपये तक पहुंच गया।

ये हैं विवि के प्रोजेक्ट

- विश्व स्तर पर विवि की साख बढ़ाने और विदेशी विद्यार्थियों की संख्या में इजाफा करने साथ ही उन्हें बेहतर सुविधाएं देने के लिए इंटरनेशनल हॉस्टल की स्थापना की जाएगी।
- विवि के कर्मचारियों और शिक्षकों के लिए स्टाफ क्वार्टर का निर्माण।
- इनोवेशन सेंटर बनकर तैयार होगा। इसमें नए आइडिया पर काम करने के साथ ही युवाओं को एंटरप्रन्योर बनाने पर फोकस होगा।
- नए कोर्स शुरू किए जाने के साथ ही नए हॉस्टल के निर्माण का भी प्रस्ताव।
- रिसर्च को बढ़ावा देने के अलावा नए आइडिया को विकसित करने और स्कूली विद्यार्थियों को विज्ञान के प्रति प्रेरित करने के लिए प्रोग्राम चलाए जाएंगे।

"हमारा फोकस विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं देने और रिसर्च को बढ़ावा देने पर है। इसके लिए हम हर संभव प्रयास कर रहे हैं। नए कोर्स शुरू करने और कॉलेजों के जुड़ने के बाद बजट का बढ़ाया जाना विश्वविद्यालय की आवश्यकता थी। इसके लिए सरकार का धन्यवाद।"
- प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति, गुजवि

लुवास नहीं खर्च पाई पूरा बजट 281 करोड़ रुपये मिले

लाला लाजपत राय पशु विज्ञान एवं पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय संभवत प्रदेश का एकमात्र विवि होगा, जिसने सरकार द्वारा अनुमानित बजट को पूरा खर्च नहीं किया। नए संस्थान की स्थापना के लिए तेजी से चल रहे निर्माण कार्य के बावजूद इस विवि ने बजट का प्रयोग संयमित ढंग से किया है। इस विवि को पिछले वर्ष 215 करोड़ रुपये मिले थे, जिसमें से लगभग 162 करोड़ ही खर्च हुए। वहीं, इस बार 281 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया गया है। इसमें से 100 करोड़ का अनुदान विभिन्न तरह के निर्माण व अन्य कार्यों के लिए नाबार्ड की तरफ से दिया गया है। अत्याधुनिक एवं विश्वस्तरीय कैंपस निर्माण के लिए लुवास को नाबार्ड से 450 करोड़ रुपये मिलने हैं।

लुवास के ये हैं बड़े प्रोजेक्ट

- इंविट्रो फर्टिलाइजेशन लैब शुरू होगी। इसमें सेक्स सीमन तैयार किया जाएगा और केवल फीमेल प्रोडक्शन होगा, जिससे प्रदेश में अच्छी नस्ल की भैंस और गायों की संख्या बढ़ाई जा सकेगी।
- लुवास का नया कैंपस 1100 एकड़ में बन रहा है। प्रशासनिक भवन, डेयरी साइंस कॉलेज, इंस्टीट्यूट ऑफ पेरा वेटरनेरी साइंस और वीसी ऑफिस इसी वर्ष बनकर तैयार होगा।
- नए बजट से हॉस्टल, आवासीय क्षेत्र, शेड्स, अत्याधुनिक वेटरनेरी हॉस्पिटल, वेटरनेरी कॉलेज आदि का निर्माण किया जाएगा।
- लुवास में गो संरक्षण एवं संवर्धन सहित पशु नस्ल सुधार के कई बड़े रिसर्च प्रोजेक्ट पर काम होगा।

"हम एक ऐसे विश्वस्तरीय विवि की स्थापना कर रहे हैं, जो प्रदेश के किसानों व पशुपालकों की दशा और दिशा बदल देगा। हमारे वैज्ञानिक पशु नस्ल सुधार सहित क्षेत्र के कई बड़े प्रोजेक्ट पर कार्य कर रहे हैं। आने वाले समय में हमारा मकसद पशुपालकों की आमदनी में कई गुणा इजाफा करके प्रोफेशनल बनाना है। इसके लिए बजट के रूप में सरकार के सहयोग के लिए धन्यवाद।"
- डॉ. गुरदियाल सिंह, कुलपति, लुवास

Scanned with CamScanner

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम...अमर उजाला...
दिनांक...2.3.2020... पृष्ठ सं....4... कॉलम...1-2...

कृषि विशेषज्ञ की सलाह

डॉ. आरएस हुड्डा

टमाटर की फसल में विषाणु रोग वाले पौधों को उखाड़कर कर दें नष्ट

टमाटर की बसंतकालीन फसल की रोपाई के बाद अब फसल को निराई - गुड़ाई और सिंचाई की आवश्यकता पड़ेगी। सिंचाई लगभग आठ-दस दिनों के अंतर पर करें। रोपाई करने के लगभग तीन सप्ताह बाद 14 किलोग्राम नाइट्रोजन (30 किलोग्राम यूरिया खाद) प्रति एकड़ की दर से खड़ी फसल में टॉप ड्रेसिंग द्वारा दें। इस उर्वरक को देने के बाद सिंचाई अवश्य करें। फफूंद रोग से रक्षा के लिए रोगों से बचाव हेतु नियमित रूप से 600 - 800 ग्राम इंडोफिल एम - 45 को 250 लीटर पानी में मिलाकर एक एकड़ खेत में 10 -15 दिन के अंतर पर छिड़काव करें।

डॉ. आरएस हुड्डा
हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विस्तार शिक्षा निदेशक के पद पर कार्यरत हैं।

विषाणु रोग वाले पौधों को उखाड़ कर नष्ट कर दें। हड्डा बीटल, हरा तेला व सफेद मक्खी की रोकथाम के लिए 400 मिलीलीटर मैलाथियान 50 ईसी को 250 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ 15 दिन के अंतर पर छिड़काव करें। इससे विषाणु रोग भी नियंत्रण में किया जा सकता है। उधर, मिर्च की रोपाई यदि फरवरी माह में की है तो उसके लगभग तीन सप्ताह बाद आठ किलोग्राम नाइट्रोजन (18 किलोग्राम यूरिया खाद) प्रति एकड़ की दर से दें। किसान खाद देने के बाद सिंचाई करें। फसल की निराई - गुड़ाई करें और उचित समय से सिंचाई करें। मिर्च की फसल को विषाणु रोग व कीड़ों से बचाने के लिए 400 मिलीलीटर मैलाथियान 50 ईसी को 250 लीटर पानी में मिलाकर 10 -15 दिन के अंतर पर एक एकड़ में लगी फसल पर छिड़काव करें।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण
दिनांक 2.3.2020 पृष्ठ सं. 18 कॉलम 8

एचएयू मीडिया एडवाइजर व प्रोजेक्ट डायरेक्टर की जिम्मेदारी बदली

जासं, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय प्रशासन ने तीन बड़े पदों पर परिवर्तन किया है। इसमें रिसर्च डायरेक्टर के कार्यालय में तैनात प्रोजेक्ट डायरेक्टर सतीश खोखर को उनके विभाग एग्रोनॉमी में वापस भेज दिया गया है तो नई जिम्मेदारी डा. बीके बत्रा को मिली है। इसी प्रकार पिछले कुछ समय से मीडिया एडवाइजर की जिम्मेदारी संभाल रहे डा: संदीप आर्या को फेकल्टी क्लब के संयुक्त सचिव पद की जिम्मेदारी दी है। इससे पहले इस पद पर डा. कालड़ा कार्य कर रहे थे। फार्म डायरेक्टर डा. रामनिवास के स्थान पर सब्जी विभाग से डा. सुरेंद्र धनखड़ को लगाया गया है।